Mentorship Program
Mukherjee Nagar

राजनीतिक विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध

टेस्ट-1

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF / OPT-24 **PSIR-2401**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: RITIK ARYA **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): HINDI **Reg. Number:** 3094

Center & Date: MUKHERJEE NAGAR 12/07/2024 **UPSC Roll No. *(If allotted)*:** 0800306

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।*
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
*प्रश्न संख्या **1** और **5** **अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के **उत्तर** दीजिये।*
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।*
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*
*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*
*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
						सकल योग (Grand Total)							

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

खण्ड - क / SECTION - A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: 10 × 5 = 50
Answer the following in about 150 words each:

(a) हालाँकि मिल एक लोकतांत्रिक राजनीति का समर्थन करता है लेकिन वह इसे कार्यात्मक बनाने के लिये कुछ मापदंड निर्धारित करता है। परीक्षण कीजिये।
Though Mill supports a Democratic Polity but he prescribes certain norms to make it functional. Examine.

19 वीं सदी में इंग्लैण्ड मे जन्मे मिल बेंथम के उपयोगितावाद से प्रभावित थे। यह स्वतंत्रता के बड़े समर्थक और लोकतांत्रिक राजनीति के प्रशंसक थे।

इन्होने अमेरिका में लोकतंत्र के रूप को देखा था जहाँ बहुमत अल्पसंख्यको पर अपना दबाव बनाते थे। इन्होने लोकतंत्र को भीड़तंत्र से बचाने के लिए कुछ सुझाव दिए ताकि प्रतिनिध्यात्मक लोकतंत्र सफल सही अर्थो मे हो सके।

इन्होने नागरिको के मत के मूल्य मे भिन्नता स्थापित

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

की। साक्षर, कुलीन व्यक्ति को 5 मत तथा निम्न वर्ग को 3 मत दिए। ये बेंथम जैसे सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के समर्थक नहीं थे। लेकिन इन्होंने महिलाओं के मताधिकार का समर्थन किया है। निरक्षर लोगों को मत से वंचित किया है।

इसलिए आलोचक इन्हें अनिच्छुक लोकतंत्रवादी कहते हैं क्योंकि इन्होंने एक व्यक्ति एक मत का समर्थन नहीं किया है।

मिल स्वतंत्रता के सच्चे समर्थक थे और लोकतंत्र के हितैषी। पहली बार इन्होंने महिला अधिकारों की मांग की, अल्पसंख्यक समूह के विचारों का समर्थन किया।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) बुराई की तुच्छता - हन्ना अरेंड्ट
Banality of Evil - Hannah Arendt

हन्ना अरेंड्ट ~~अरस्~~ का जन्म तो जर्मनी मे हुआ परंतु नाजीवाद के कारण ये भागकर अमेरिका आ गई। ये अरस्तू से अत्यधिक प्रभावित थी। इन्होने राजनैतिक जीवन को ही सर्वश्रेष्ठ जीवन माना है।

चूँकि ये फांसीवाद से खुद सतायी हुई थी तो इन्होने फांसीवाद की कटु आलोचना की है। यह अपनी पुस्तक ओरिजिन ऑफ टोटलटेरेनिज्म मे लिखती हैं कि सर्वाधिकारवाद, निरंकुश शासन, अधिनायकवाद आदि से भी बुरा होता है क्योंकि इनमे तो सिर्फ लोगो के राजनैतिक अधिकारों पर हमला किया जाता है जबकि सर्वाधिकारवाद

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

में तो उसके निजी जीवन पर भी हमला होता है।

राज्य ही उसकी शिक्षा, पहनावा, खानपान, संबंध निर्धारित करने लगता है। ये इसीलिए प्लेटो के दार्शनिक राजा के विचार की कटु आलोचना करती है जहाँ राजा ही सब कुछ है। इससे ही सर्वाधिकारवाद की उत्पत्ति होती है। जब राज्य व्यक्ति के निजी जीवन में झांकता है तो इससे स्वतंत्रता पूरी तरह समाप्त हो जाती है। फिर राष्ट्रवाद के नाम पर नस्लीयता फैलायी जाती है तथा हिटलर यहूदियों के नरसंहार का आदेश देता है।

अतः हन्ना राज्य को राष्ट्र के ऊपर मानती है तथा सर्वाधिकारवाद को सबसे बुरा शासन कहती है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) हॉब्स के संप्रभुता के सिद्धांत का वर्णन कीजिये।

Describe Hobbes' theory of sovereignty.

हॉब्स का जन्म इंग्लैण्ड मे ऐसे समय हुआ जब इंग्लैण्ड गृहयुद्ध की आग मे जल रहा था। एक तरफ राजा और सामंत तो दूसरी तरफ संसद अपने अधिकारों के लड़ रही थी। नागरिको की सुरक्षा खतरे मे थी।

ऐसे मे हॉब्स एक शक्तिशाली राजा का समर्थन करता है। वह मानता है कि मानव स्वभाव से स्वार्थी होता है लेकिन वह अपनी संपत्ति की रक्षा तथा अपनी सुरक्षा चाहता है। आदिम समय मे भी ऐसा ही था। इसीलिए लोगो ने अपनी सुरक्षा के लिए अपने अधिकार राज्य/राजा

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

को सौंप दिए। इस प्रकार राज्य एक सामाजिक समझौते का परिणाम है न कि दैवीय उत्पत्ति का जैसा जेम्स I कहता है।

हॉब्स ने शक्तिशाली राजा का समर्थन करते हुए कहा कि वह ही लोगों के अधिकारों की रक्षा कर सकता है। इसके राज्य की सम्प्रभुता निरपेक्ष है न तो उस पर धर्म का प्रभाव है न चर्च का। चर्च को भी उसने राज्य के नीचे माना है।

आलोचक कहते हैं कि शक्तिशाली राजा के अन्तर्गत स्वतंत्रता कैसे संभव है। फिर भी हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हॉब्स के सिद्धांत से ही आधुनिक सम्प्रभुता का विचार (आया)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(d) गतिविधि के तीन स्तरों की हन्ना अरेंड्ट की अवधारणा का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।

Critically evaluate Hannah Arendt's concept of three levels of Activity.

हन्नाह आरेंड्ट यूनानी युग के अरस्तू के विचारों से अत्यधिक प्रभावित थी। इसलिए वह सद्गुणी, नैतिक व सामुदायिक, राजनीतिक जीवन को श्रेष्ठ मानती है।

उन्होंने गतिविधि को तीन स्तरों पर बाँटा है –

एक्शन → उच्च कार्य

वर्क, लेबर → भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु

वह कहती हैं वर्तमान समय में मनुष्य भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति को ही उच्च कार्य मानने लगा है। लेबर से मतलब व्यक्ति के द्वारा किया गया श्रम जैसे – मशीन

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

चलाना, नौकरी करना आदि। वर्क से मत पेंटिंग आदि से है। इन दोनो को वह मनुष्य की भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति करती है। जबकि एक्शन मे मनुष्य समुदाय भलाई का कार्य करता है, राजनीति मे भाग लेता है; जो उच्च व नैतिक कार्य है।

आलोचक कहते हैं कि यह अंतर करना बहुत ही कठिन है। कई बार वर्क वाला कार्य एक्शन मे बदल सकता है।

अन्तत: यह कहना उचित है कि हन्ना का वर्गीकरण तो नही कह सकते पर विचार काफी सत्य के समान है। वर्तमान समय मे मनुष्य भौतिक आवश्यकताओं पर ही बल देता है, आत्मिक पर नही।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) बेंथम की लोकतंत्र की अवधारणा।
Bentham's concept of Democracy

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बेंथम एक सुखवादी विचारक है। इन्होंने ही उपयोगितावाद का विचार दिया। इन्होंने राज्य की उत्पत्ति के सामाजिक समझौते को नही माना।

उपयोगितावाद से अर्थ है अधिकतम लोगो का अधिकतम सुख। वह कहते हैं मनुष्यों ने राज्य बनाया क्योंकि राज्य उसे अधिकतम सुख दे सकता है जैसे अधिकार, सुरक्षा, संपत्ति की रक्षा करके।

इसी प्रकार वह लोकतंत्र को सर्वश्रेष्ठ शासन मानते हैं क्योंकि इसमें अधिकतम (बहुमत) लोगों का सुख होता है।

बहुमत को सुख होने के

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

कारण इसमें विद्रोह की भी संभावना नही होती। बेंथम सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार का समर्थन करते हैं अर्थात् एक व्यक्ति एक मत। मिल इनसे अलग विचार रखते हैं वह भारित मतदान की बात करते हैं। बेंथम लार्ड सभा का विरोध करते हैं।

बेंथम के लोकतंत्र की कुछ कमी भी है इन्होंने महिलाओं को मताधिकार नही दिया तथा अल्पसंख्यकों के अधिकारों की चिंता नही की। इनका सुखवाद निकृष्ट, मात्रात्मक प्रकार का है, इसीलिए जे० एस० मिल इनकी आलोचना करते हैं।

फिर भी बेंथम के कारण ही इंग्लैण्ड मे लोकतंत्र आया, सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार का प्रयोग शुरू हुआ।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

2. (a) विकास के मार्क्सवादी सिद्धांत की व्याख्या कीजिये और यह निर्धारित कीजिये कि यह किस हद तक पुराना हो गया है और हाल के घटनाक्रमों से इसे अप्रचलित मान लिया गया है। 20

Explain the Marxian theory of Development and determine the extent to which it has been outdated and out-molded by recent developments. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) चर्चा कीजिये कि जे.एस. मिल द्वारा प्रारंभिक कट्टरपंथी उदारवाद को कैसे संशोधित किया गया था? 15

Discuss how early radical liberalism was modified by J.S. Mill 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) लॉक प्रकृति के नियम को किस प्रकार निरूपित करता है? यह प्राकृतिक अवस्था से कैसे भिन्न है और प्रकृति के कानून में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की क्या भूमिका है? 15

How does Locke characterize the Law of nature? How it is different from state of nature and what is the role of legislative, executive and judiciary in Law of nature? 15

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

3. (a) उपयोगितावाद पर मिल का दृष्टिकोण 20

Mills' views on Utilitarianism 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

जे० एस० मिल 19 वीं सदी का इंग्लैण्ड का एक महान विचारक था। यह स्वतंत्रता का असीम प्रेमी था। यह यूनानी युग से भी प्रभावित था तथा सद्गुण व नैतिक जीवन को श्रेष्ठ मानता था।

मिल भी बेंथम की तरह उपयोगितावादी थी। परंतु बेंथम का जो सुखवाद था वह निकृष्ट प्रकार का था जो मात्रात्मक सुख को महत्व देता था जबकि मिल का सुखवाद उत्कृष्ट था और इस पर यूनानी विचारों का प्रभाव था तो यह गुणात्मक भेद/सुख को ज्यादा महत्व देता था।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

बेंथम मानता था कि सुख मे मात्रा का भेद है। जैसे गाना गाने मे 50 यूनिट तो पेंटिंग करने मे 100 यूनिट। तो व्यक्ति को ज्यादा मात्रा वाला कार्य करना चाहिए। जबकि मिल ~~बेंथम~~ इस विचार को खारिज करता है।

~~बेंथम~~ मिल कहता है मनुष्य को अपने जीवन मे भौतिक व नैतिक आवश्यकता होती है। भौतिक आवश्यकताओं मे उसे भोजन, कपड़ा, आवास की जरूरत होती है जबकि नैतिक व उच्च मे समुदाय की भलाई, राजनीति मे सहभागिता आदि।

भौतिक आवश्यकताएँ तो तात्कालिक होती हैं और इनसे क्षणिक सुख मिलता है जबकि

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नैतिक विकास से मनुष्य को एक अनन्त सुख की प्राप्ति होती है। वह कहता है लोगो को राजनीति मे भाग लेना चाहिए तथा समाज के लिए कार्य करने चाहिए। राजनीति कोई कमाई का साधन नही यह तो नैतिक विकास के लिए है।

उसने कहा स्वतंत्रता से ही नैतिक विकास होता है। इसलिए स्वतंत्रता पर सिर्फ तार्किक प्रतिबंध ही होने चाहिए वो भी जब हार्म सिद्धांत कार्य कर रहा हो।

अतः मिल उत्कृष्ट सुखवादी है जिसका उपयोगितावाद समुदाय की भलाई मे है और व्यक्ति की स्वतंत्रता का वह समर्थक है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) टिप्पणी कीजिये: "राज्यविहीन मनुष्य या तो पशु है या देवता, वह मनुष्य नहीं हो सकता।" – अरस्तू 15

Comment: "Man who live without state is either a beast or god but he cannot be a man" 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अरस्तू यूनानी युग के महान विचारक हैं। इनका दर्शन सद्गुणी नैतिकता माना जाता है और यह ज्ञान ही सद्गुण है सुकरात के इस कथन को मानते हैं। इन्होंने गोल्डन मीन का सिद्धांत दिया इसलिए यह प्लेटो अपने गुरु से भिन्न मत रखते हैं।

अरस्तू कहते हैं मनुष्य का सम्पूर्ण विकास राज्य मे ही संभव है। मनुष्य अगर बीज है तो राज्य वृक्ष, मनुष्य अगर आरंभ है तो राज्य अंत। यह भी राज्य का आंगिक विचार देते हैं कहते राज्य अगर शरीर है तो

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

समाज और परिवार उसके अंग। अर्थात बिना शरीर के अंगो का कोई महत्व नहीं। चूंकि अरस्तू एक जीव विज्ञान के पिता भी हैं तो वह कहते हैं मनुष्य राजनीतिक प्राणी है जबकि पशु-वृक्ष प्राकृतिक प्राणी। मनुष्य मे एक चिंतन की कला होती है और वह बुद्धिमान होता है तो प्राकृतिक प्राणी से अलग है। इसलिए उसे अपने विकास के लिए राज्य की जरूरत होती है जबकि पशु को नहीं और ईश्वर तो इस जगत मे रहता ही नहीं।

- राज्य → सद्गुणी, नैतिक विवेक प्रधान जीवन
- समाज → संस्कृति का विकास
- परिवार → भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अरस्तू 6 प्रकार के शासनों की चर्चा करता है और अंत में वह एक मिश्रित शासन पोलिटी का वर्णन करता है। जिसमें कुटतंत्र से संपत्ति और लोकतंत्र से संख्याबल ले लिया जाएगा। चूंकि वह मध्यम-मार्गी है इसलिए ऐसे मिश्रण से क्रांति नहीं होगी।

चूँकि वह सद्गुणी नैतिकता को मानता है तो वह भौतिक विकास को आत्मिक विकास की अपेक्षा कम रहता है। आत्मिक व सद्गुणी नैतिक विकास राज्य के अंदर ही संभव है। यहीं व्यक्ति को यूडेमोनिया मिलेगी।

अतः अरस्तू एक व्यावहारिक दार्शनिक है लेकिन महिला और दास को लेकर वह रूढ़िवादी है जो उसकी सीमाएँ है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) टिप्पणी: हॉब्स का सामाजिक समझौते के सिद्धांत। 15

Comment: Hobbes's theory of social contract. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

हॉब्स का जन्म ऐसे समय हुआ जब इंग्लैण्ड गृहयुद्ध से जल रहा था। पुनर्जागरण हो चुका था, धर्मसुधार आंदोलन चल रहा था। ऐसे मे हॉब्स के विचार भी आधुनिक हैं। इंग्लैण्ड की स्थिति ने उसे काफी प्रभावित किया है।

हॉब्स मनुष्य को स्वभाव से स्वार्थी मानता है जो हमेशा अपने स्वार्थपूर्ति के लिए संघर्ष करता रहता है। यही स्थिति आदिम समय मे भी थी। ऐसे मे उनकी सुरक्षा खतरे मे थी। तो लोगो ने अपने अधिकार राज्य/राजा को समर्पित कर दिए और एक

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सामाजिक समझौता किया। उन्होंने एक शक्तिशाली राजा का चयन किया जो लोगो को आंतरिक अशांति और बाह्य हमलों से रक्षा कर सके।

वर्तमान इंग्लैण्ड मे भी भय की स्थिति बनी हुयी हैं, सुरक्षा खतरे मे हैं तो हॉब्स ऐसे मे एक शक्तिशाली राजा का समर्थन करता है। राजा का कार्य है कि वह लोगो की संपत्ति की सुरक्षा करे और यह देखे कि उनकी जानमाल का नुकसान न हो। एक प्रकार से हॉब्स का राज्य रात्रिप्रहरी की तरह है न कि कल्याणकारी राज्य है।

हॉब्स भी व्यक्तिवादी और स्वतंत्रता का समर्थक है तो

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वह कहता है कि एक शक्तिशाली राज्य ही व्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा कर सकता है।

आलोचक कहते हैं कि हॉब्स की बातों मे विरोधाभास हैं एक ओर वह शक्तिशाली राज्य का समर्थन करता है तो दूसरी तरफ स्वतंत्रता का, जो ऐसे राज्य मे संभव नही है। मैकफर्सन अपनी किताब पसेसिव इंडिविजुअलिज्म : हॉब्स और लॉक मे लिखता है कि उसका सामाजिक समझौता संपत्ति की रक्षा करने के लिए ही है। अतः वह पूंजीवादी है।

अतः हॉब्स ही ऐसा विचारक है जिसने आधुनिक सम्प्रभुता का विचार दिया और राज्य को समझौते की संस्था माना न दैवीय उत्पत्ति की।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाषः 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेलः help@groupdrishti.in :: वेबसाइटः www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) राज्य निरंकुशता से आप क्या समझते हैं? 20

What do you mean by State Absolutism? 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) पश्चिमी राजनीतिक चिंतन में मैकियावेली की स्थिति की परीक्षण कीजिये। 15

Examine Machiavelli's position in western political thought. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) "यथार्थ तर्कसंगत है और तर्कसंगत यथार्थ है।" हीगल के इस कथन से आप क्या समझते हैं? 15

"Real is rational and Rational is real". What do you infer from this statement by Hegel? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - ख / SECTION - B

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: 10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each:

(a) प्लेटो के साम्यवाद और आधुनिक साम्यवाद में अंतर बताइये।

Differentiate Plato's communism from Modern communism.

प्लेटो के साम्यवाद से तात्पर्य समाज मे एक समन्वय और संतुलन से है जबकि वर्तमान साम्यवाद पूंजी की समाप्ति, वर्ग की समाप्तता से है।

प्लेटो दो प्रकार के साम्यवाद की बात करता है; प्रथम, सम्पत्ति का साम्यवाद, द्वितीय, पत्नियों का साम्यवाद। दार्शनिक राजा और सैनिक वर्ग की न तो सम्पत्ति होगी और न ही परिवार। उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति की जिम्मेदारी उत्पादक वर्ग पर है। चूंकि परिवार की वजह से

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

संपत्ति का संचय होता है। जो संरक्षक वर्ग के लिए सही नही है। दार्शनिक राजा को सत्य और न्याय की ज्ञान है तो वह इन चीजों से दूर रहेगा। इस प्रकार प्लेटो मान समाज मे जो गरीबी और असमानता है वह स्वत: ही खत्म हो जाएगी।

जबकि आधुनिक साम्यवाद निजी पूंजी, वर्गों, संपत्ति की पूर्णत: समाप्ति चाहते है। वह राज्यविहीन, दलविहीन साम्यवाद की भी बात करते है जैसा मार्क्स कहता था। समाज मे न तो शोषण होगा और न ही भेदभाव। शासक और शासित कोई नही होगा। अगर वर्तमान साम्यवाद की बात करे तो इसमें राज्य का ही सारी संपत्तियों पर अधिकार होता है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) "यह आशा करना व्यर्थ होगा कि पूंजीवाद के अंत के बाद असली समाजवाद अपने आप विकसित होगा।" - एंटोनियो ग्राम्शी। चर्चा कीजिये।
"It would be futile to hope that true socialism would automatically grow from the ashes of capitalism"- Antonio Gramsci. Discuss.

ग्राम्शी इटली के आधुनिक मार्क्सवादी विचारक थे। यह मार्क्स से तो प्रभावित थे परंतु उसके क्रांति के तरीके वर्तमान मे पर्याप्त नही मानते थे।

ग्राम्शी ने लेनिन की बोल्शेविक क्रांति की प्रशंसा की है लेकिन वह मानते थे कि लेनिन का यह विचार की पूंजीवाद अब उपनिवेशवाद के रूप मे फल फूल रहा है तो वही क्रांति होगी, पूर्णतः सहमत नही थे।

ग्राम्शी ने जहाँ पूँजीवाद ने नागरिक समाज (यथा - विद्यालय

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कॉलेज, बुद्धिजीवियो, सिविल संस्थाओ के द्वारा अपने ~~विच~~ पूंजीवादी विचारों की आधिपत्य (हेजेमनी) स्थापित कर ~~र~~ ली है, इसलिए क्रांति का तरीका बदलना होगा। इन्होने आर्थिक कारक तो माना परंतु अकेले उसे पर्याप्त नही माना बल्कि संस्कृति, धर्म के प्रभाव को भी माना।

इन्होने कहा बुद्धिजीवी दो प्रकार के हैं एक तात्कालिक या सरकार समर्थित द्वितीय संगठनात्मक वाले। संगठनात्मक से तात्पर्य मार्क्सवादी बुद्धिजीवी से है। अतः ~~इसे~~ इटली मे संगठनात्मक बुद्धिजी-वियों का विकास हो चुका है-जो इटली मे क्रांति करेगे।

अतः इन्होने नागरिक समाज को क्रांति के लिए आवश्यक माना तभी असली समाजवाद आएगा।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) मैकियावेली संकीर्णतः कालबद्ध तथा संकीर्णतः स्थानबद्ध हैं। टिप्पणी कीजिये।
Machiavelli is narrowly dated and narrowly located. Comment.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मैकियावेली का विचार संक्रमण काल मे आया जहा एक ओर मध्यकाल की चर्च थी जिसका प्रभाव राज्य पर था तो दूसरी ओर उसके जन्म स्थान फ्लोरेंस मे पुनर्जागरण हो रहा था।

मैकियावेली की पुस्तक प्रिंस मे उसका विचार इटली के एकीकरण को लेकर है। उस समय इटली पांच भागो मे विभाजित था और रोम मे एक शक्तिशाली चर्च का आधिपत्य था तथा फ्रांस और ~~स्पेन~~ स्पेन इटली पर कभी भी आक्रमण कर सकते थे। तो ऐसे मे उसने

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

एक प्रिंस का विचार दिया। इसीलिए प्रनिंग ने उसे अपने युग का शिशु कहा है।

वह कहता है प्रिंस मे दो गुण जरूर होने चाहिए –
① शेर जैसा साहस
② लोमड़ी जैसी चालाकी

अर्थात् राज्य की सुरक्षा करना और उसे शक्तिशाली बनाने के लिए प्रिंस को न तो किसी नैतिकता को मानना चाहिए और न ही धर्म को। उसका विचार भारतीय चिंतक कौटिल्य जैसा है जिसने कहा राजा को परिस्थिति के हिसाब से साम-दाम-दण्ड-भेद का प्रयोग करना चाहिए।

इसीलिए एक विद्वान ने प्रिंस को शासन कला की पुस्तक कहा है जो इटली के एकीकरण के लिए थी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(d) राजा और धर्म के बारे में मैकियावेली के विचारों की चर्चा कीजिये।

Discuss Machiavelli's thoughts about the prince and the religion.

मैकियावेली का विचार कोई राजनीतिक सिद्धांत नही देता अपितु शासन कला की व्यावहारिक रणनीति के बारे मे ज्ञान देता है, ऐसा कई विद्वान मानते है।

मैकियावेली राजा और चर्च को पृथक मानता था तथा वह कहता था कि राजा का कार्य है राज्य की सुरक्षा जबकि चर्च का कार्य धर्म की रक्षा। दोनो को एक दूसरे के कार्य मे हस्तक्षेप नही करना चाहिए। इस प्रकार पंथनिरपेक्षता के विचार का उदय हुआ।

धर्म को लेकर वह

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

कहता था ईश्वर का भय राजा के भय से ज्यादा होता है अतः प्रिंस को धर्म का प्रयोग इस प्रकार करना चाहिए जिससे जनता विद्रोह न कर सके। राजा को निजी जीवन में धार्मिक नहीं होना चाहिए।

कुछ आलोचक उसे संप्रदायवाद का जनक भी कहते हैं क्योंकि वह राज्य के लिए धर्म का प्रयोग कर रहा था।

अन्ततः मैकियावेली का जो विचार है वह उस मध्यकाल के दौर में है जहाँ धर्म का लोगों के जीवन में अत्यधिक हस्तक्षेप था तथा चर्च का राज्य पर नियंत्रण था। ऐसे में उसके द्वारा दिया गया पंथनिरपेक्षता का विचार आज भी मान्य है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) "मैं और भय एक साथ पैदा हुए थे" हॉब्स

"I and fear were born together" Hobbes

हॉब्स का जन्म इंग्लैण्ड के गृहयुद्ध के समय हुआ था। राजा और सामंत एक तरफ तथा संसद दूसरी तरफ थी। लोगो की सुरक्षा खतरे मे थी।

ऐसे मे हॉब्स के विचारों पर स्थिति का गहरा प्रभाव पड़ा है। उसने लोगो की सुरक्षा के लिए एक सामाजिक समझौते द्वारा एक शक्तिशाली राजा का समर्थन किया है। राजा / राज्य ही सम्पूर्ण सम्प्रभुता का स्वामी होगा।

वह कहता है कि राज्य मनुष्य की जान-माल

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

की प्रकृति: सुरक्षा करेगा तथा बाह्य राष्ट्रो के आक्रमण से भी रक्षा करेगा। इसका राज्य एक रात्रि प्रहरी की तरह कार्य करेगा न कि कल्याणकारी राज्य की तरह।

ऐसे राज्य मे व्यक्ति को सही स्वतंत्रता और अधिकार मिलेगे। राजा सबके अधिकारो की रक्षा करेगा।

आलोचक कहते है कि अगर वह ऐसे समय पैदा नही हुआ होता जहाँ गृहयुद्ध चल रहा था तो इसके विचार दूसरे होते। निरंकुश राजतंत्र मे अधिकार कैसे सम्भव है।

अत: हॉब्स के विचार इंग्लैण्ड की तात्कालिक स्थिति से बहुत प्रभावित है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

6. (a) न्याय पर अरस्तू के दृष्टिकोण का वर्णन कीजिये। 20

Describe Aristotle's view on justice. 20

अरस्तू के विचार सद्गुण नैतिकता के विचार कहलाते हैं। उसने गोल्डन मीन का सिद्धांत दिया है जिसमें वह मध्यम मार्ग को ही सर्वश्रेष्ठ मानता है। प्लेटो के न्याय की जगह उसका न्याय भिन्न है।

अरस्तू राज्य को सर्वश्रेष्ठ संस्था मानता है तथा वह कहता है कि मनुष्य का उच्च विकास राज्य के अन्तर्गत ही संभव है। न्याय के लिए राज्य का होना आवश्यक है। वह दो प्रकार के न्याय की बात करता है –

1. संशोधनात्मक न्याय (करेक्टिव जस्टिस)
2. वितरणकारी आनुपातिक न्याय

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अरस्तू का वितरणकारी न्याय रॉल्स के विचार से अलग है। संशोधनात्मक न्याय तो आज भी पुलिस, न्यायालय के रूप मे देखा जाता है।

आनुपातिक न्याय से उसका आशय है कि समाज मे जिसकी जितनी हिस्सेदारी उसे उतनी ही वस्तुओं का लाभ मिलना चाहिए। कुलीन वर्ग को ज्यादा और निम्न वर्ग को कम। जबकि रॉल्स मानते है कि समाज के वंचित वर्गों को शिक्षा, योजनाओं का ज्यादा लाभ मिलना चाहिए।

अरस्तू कहता है कि पोलिटी के शासन मे ऐसा न्याय जरूर मिलेगा। चूँकि मौलिक चिंतन जैसे उच्च

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

विचार करते हैं जबकि दास ~~हम~~ शारीरिक श्रम करते हैं तो मालिकों को ज्यादा वितरण का हिस्सा मिलना चाहिए।

वर्तमान समय पर देखने पर प्रतीत होता है कि न्याय का वितरणकारी न्याय सही नहीं है क्योंकि कल्याणकारी राज्य में न्याय का वितरण वंचित वर्ग के पक्ष में ही होता है जो सही भी है। इस प्रकार रॉल्स की बात ज्यादा सही प्रतीत होती है।

लेकिन एक बात याद रखनी चाहिए अरस्तू पहला ऐसा विचारक है जो इस प्रकार के विचार देता है जबकि प्लेटो न्याय को विवेक का न्याय मानता था।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

या इस स्थान में प्रश्न
ा के अतिरिक्त कुछ
खें।
ase do not write
hing except the
tion number in
pace)

(b) लॉक ने "राजनीतिक शक्ति" को कैसे परिभाषित किया है? 15

How does Locke define "Political Power"? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लॉक इंग्लैण्ड के महान विचारक हैं जिन्होने संविधानवाद जैसा विचार दिया। जहाँ इनसे पहले हॉब्स सम्प्रभु शक्तिशाली राजा का समर्थन करते है वहीं लॉक सीमित शासन की बात करते है।

लॉक के संविधानवाद ने ही अमेरिका के संविधान निर्माताओं जेफरसन और मेडिसन को प्रभावित किया है। संविधानवाद से आशय है विधि का शासन जो सरकारों को सीमित करे।

लॉक कहते हैं राज्य को रात्रि प्रहरी की तरह कार्य करना चाहिए। उनका सामाजिक समझौता का सिद्धांत हॉब्स से अलग है। वह कहते मनुष्य मूलत: स्वार्थी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नही होता है बल्कि वह सीधा होता है। उसे आदिम समय से ही प्राकृतिक अधिकार प्राप्त होते हैं। जीवन का अधिकार उसका प्राकृतिक अधिकार है। आदिम समय मे वह प्राकृतिक अधिकार का फायदा उठा रहा था परंतु उसे कुछ असुविधाएं थी जैसे न्याय, विधायिका, पुलिस आदि की। इसलिए उसने अपने कुछ अधिकार नागरिक समाज को दिए और राज्य का जन्म हुआ। अतः राज्य उसकी सुविधा के लिए ही है।

वह शक्ति के पृथक्करण का भी सिद्धांत देता है –

- विधायिका
- कार्यपालिका
  - न्यायपालिका
- बाहरी संधियाँ (मित्र देशों से)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उसका पृथक्करण मांटेस्क्यू की भाँति नहीं है जो आगे इसे विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका मे बाँटेगा। परंतु उसने ऐसा करके राज्य पर नियंत्रण स्थापित किया।

वह प्राकृतिक अधिकारों को सर्वाधिक महत्वपूर्ण मानता था तथा सम्पत्ति की सुरक्षा राज्य का परम कर्तव्य है। उसके प्रभाव से ही आगे अमेरिका संविधान मे नागरिकों के अधिकार नाम से अधिकार डाले गए।

मैकफर्सन जैसे आलोचक उसे पूंजीवादी मानते हैं जबकि कुछ कहते है कि उसके विचारों मे विरोधाभास था क्योंकि वह राजतंत्र का समर्थन करता था।

फिर भी उसका संविधानवाद प्राकृतिक अधिकार के विचार ने संविधानों के बनाने मे महत्वपूर्ण प्रेरणा दी।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(c) ग्राम्शी की जैविक बुद्धिजीवियों की अवधारणा की व्याख्या कीजिये। 15

Explain Gramsci's concept of Organic Intellectuals. 15

ग्राम्शी इटली का एक नव मार्क्सवादी विचारक था। जो आर्थिक कारक को क्रांति के लिए पर्याप्त नही मानता था। उसने माना पूंजीवाद मे शोषण जारी है परंतु पूंजीवाद ने अपने विचारों का प्रभाव नागरिक समाज पर डालकर क्रांति को रोक दिया है।

ग्राम्शी नागरिक समाज को आर्थिक कारक जितना ही महत्वपूर्ण मानता था। लेकिन वह देखता है वर्तमान समय मे नागरिक समाज ने ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है पूंजीवाद के प्रसार मे। नागरिक समाज से आशय विश्वविद्यालय, एनजीओ, समाज आदि।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वह कहता है कि दो प्रकार के बुद्धिजीवी होते हैं एक सरकार समर्थित द्वितीय जैविक। सरकार समर्थित बुद्धिजीवी सरकार के विचार को लोगो तक फैलाते हैं उन्हें प्रभावित करते है। पूंजीवाद को बनाए रखने मे इनका महत्व बढ़ता जा रहा है ऐसे मे क्रांति हमें विचारो के आधार पर करनी होगी।

द्वितीय जैविक मे आते है वे जो विचार पैदा करते हैं जैसे मार्क्स। तो हमे जैविक विचारों को लोगो तक पहुँचाना है और क्रांति का माहौल तैयार करना है क्योंकि अब पूंजीवाद स्वंय वर्ग चेतना पैदा नही करेगा जैसा मार्क्स का मानना था।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वह बोल्शेविक क्रांति से अत्यधिक प्रसन्न था तथा लेनिन का समर्थक था। परंतु लेनिन के क्रांति वाले विचार से सहमत नही था जिसमें कमजोर कड़ी को तोड़ना था।

वह कहता है कि इटली मे साम्यवाद की संगठनिक बुद्धिजीवियों की उत्पत्ति हो गई है जिसमे वह स्वंय भी है। अतः इटली मे क्रांति होगी। लेकिन ऐसा नही हो सका तथा वह मर गया।

उसका विचार आज हमे सोफ्ट डिप्लोमेसी के रूप मे दिखता है। वर्तमान समय मे ग्राम्शी का नागरिक समाज का विचार सत्य प्रतीत हो रहा है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर 45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

या इस स्थान में प्रश्न या के अतिरिक्त कुछ लखें।

ase do not write thing except the stion number in space)

7. (a) "आत्मावलोकनविहीन जीवन जीने लायक नहीं है"। आपके मत में सुकरात के इस उद्धरण का क्या अर्थ है? 20

"An unexamined life is not worth living" what does this quotation from Socrates mean to you? 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space

Copyright – Drishti The Vision Foundation

या इस स्थान में प्रश्न
या के अतिरिक्त कुछ
लखें।

ase do not write
hing except the
tion number in
space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) मैं पीटर हूँ जिसने अपने गुरु (जे.एस. मिल) को अस्वीकार कर दिया। टिप्पणी कीजिये। 15

I am the peter who rejected his master (J.S. Mill). Comment. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this spac

Copyright – Drishti The Vision Foundation

ा इस स्थान में प्रश्न
ा के अतिरिक्त कुछ
नखें।
ase do not write
hing except the
tion number in
space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this spac

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(c) मानवीय सार और पृथक्करण के बारे में मार्क्स के विचार को स्पष्ट कीजिये। 15

Elucidate Marx's understanding of Human essence and alienation. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इस स्थान में प्रश्न के अतिरिक्त कुछ खें।
se do not write ing except the ion number in pace)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this spac

Copyright – Drishti The Vision Foundation

ा इस स्थान में प्रश्न
के अतिरिक्त कुछ
खें।

se do not write
ing except the
ion number in
pace)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

8. (a) "हिंसा से सत्ता गिराई जा सकती है, पर खड़ी नहीं की जा सकती।" इस कथन को हाना आरेंट के शब्दों में समझाइये। 20

"Violence can destroy power; it is utterly incapable of creating it" Explain this statement in the words of Hannah Arendt. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

हन्ना आरेंट सर्वाधिकारवाद पर लिखने वाली महान विचारक है। इन्होने निजी जीवन मे भी इसको भोगा था जब उनको जर्मनी से अमेरीका आना पड़ा।

वह उस दौर मे लिखती है जब फॉसीवाद, नाजीवाद का प्रभाव उन्होने देखा था। कैसे राष्ट्रवाद के नाम पर लोगो को भड़काया गया और नस्लीयतावाद की भावना फैलाकर यहूदियों का नरसंहार किया गया। मुसोलिनी और हिटलर के द्वारा हिंसा करके अपनी सत्ता स्थापित की गई।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, ब्रलिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इस स्थान में प्रश्न
के अतिरिक्त कुछ
खें।

se do not write
ing except the
ion number in
pace)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

8. (a) "हिंसा से सत्ता गिराई जा सकती है, पर खड़ी नहीं की जा सकती।" इस कथन को हाना आरेंट के शब्दों में समझाइये। 20

"Violence can destroy power; it is utterly incapable of creating it" Explain this statement in the words of Hannah Arendt. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

हन्ना आरेंट सर्वाधिकारवाद पर लिखने वाली महान विचारक है। उन्होंने निजी जीवन में भी इसको भोगा था जब उनको जर्मनी से अमेरिका आना पड़ा।

वह उस दौर में लिखती है जब फासीवाद, नाजीवाद का प्रभाव उन्होंने देखा था। कैसे राष्ट्रवाद के नाम पर लोगों को भड़काया गया और नस्लीयतावाद की भावना फैलाकर यहूदियों का नरसंहार किया गया। मुसोलिनी और हिटलर के द्वारा हिंसा करके अपनी सत्ता स्थापित की गई।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

इस स्थान में प्रश्न के अतिरिक्त कुछ खें।

se do not write ing except the on number in pace)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

सर्वाधिकारवाद के नाम पर कॉलेजों, शिक्षा पर, व्यक्ति के निजी जीवन हर जगह अतिक्रमण किया गया। आगे फासीवाद नाजीवाद के कारण ही द्वितीय विश्वयुद्ध घटित हुआ। समय के साथ जो सत्ता हिंसा से बनायी गयी थी अब खत्म हो चुकी थी।

हन्नाह आरेंट अरस्तू से प्रभावित थी जो सद्गुणों नैतिकता को जीवन के उच्च आदर्श मानती थी। सामुदायिक जीवन को ही राजनीतिक जीवन मानती थी। और भौतिकवादी जीवन को मनुष्य के लिए पर्याप्त नहीं मानती थी। उन्होंने प्लेटो का विरोध किया है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

क्योंकि प्लेटो के दार्शनिक राजा के विचार के कारण ही सर्वाधिकारवाद की उत्पत्ति होती है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this spa

Copyright – Drishti The Vision Foundation

इस स्थान में प्रश्न के अतिरिक्त कुछ [illegible] लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) टिप्पणी कीजिये: "बिना तलवार मात्र प्रसंविदाएँ कोरे शब्द हैं, जिनमें किसी को सुरक्षा देने की शक्ति नहीं होती।" – थॉमस हॉब्स 15

Comment: "Covenants without sword are nothing but words and of no strength to secure a man at all" Thomas Hobbes 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हॉब्स ऐसे समय पैदा हुआ जब गृहयुद्ध से इंग्लैण्ड जल रहा था। लोगो की सुरक्षा खतरे मे थी। ऐसे मे हॉब्स अपने विचार प्रतिपादित करता है।

हॉब्स शक्ति को ही राज्य का पर्याय मानता है वह शक्तिशाली राजा का समर्थन करता है सम्प्रभुता की असीम शक्ति वह राज्य मे निहित करता है उसका सामाजिक समझौता भी शक्तिशाली राजा के लिए था। वह कहता है कि बिना शक्ति के राज्य मे

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सुरक्षा संभव नहीं। लोग मूलतः स्वार्थी होते है आपस मे संघर्ष करते रहते है। ऐसे मे बिना शक्तिशाली राजा के शांति सम्भव नहीं। राजा ही लोगो के अधिकारो की रक्षा करता है तथा स्वतंत्रता बनाए रखता है। सम्पत्ति की रक्षा भी उसके ही नियंत्रण मे हो सकती है।

बिना भय के शांति एक मिथ्या है। अगर राजा शक्तिशाली नहीं होगा तो अराजकता फैल जाएगी। सम्पत्ति छिन जाएगी। पड़ोसी राष्ट्र हमला कर देंगे।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाषः 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेलः help@groupdrishti.in :: वेबसाइटः www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

मार्गेन्थाऊ भी शक्ति को ही राज्य के उत्थान मे महत्वपूर्ण मानता है। पर्किंस पार्किंसन्स भी शक्ति को राज्य का पर्याय मानता है।

आलोचक कहते हैं कि यह राज्य का एकांगी व्याख्या है हर चीज शक्ति नही होती और ऐसे राज्य मे स्वतंत्रता संभव नही है।

अन्ततः हॉब्स ने ही सम्प्रभुता का विचार दिया जो आधुनिक राज्यों के निर्माण मे सहायक बना।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) टिप्पणी कीजिये: "चिकित्सा के एक विशेषज्ञ चिकित्सक को चिकित्सा की एक पुस्तक के साथ सीमित करना मूर्खतापूर्ण है।" - प्लेटो 15

Comment: "It is foolish to limit an expert practitioner of medicine with a book of medicine" Plato. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

प्लेटो सद्गुण नैतिकता को मानता है अर्थात व्यक्ति का एक गुण होता है जो हर व्यक्ति मे अलग-2 होता है

न्याय के लिए विवेक को महत्वपूर्ण मानता है विवेक के अन्तर्गत ही संयम और साहस होते है। वह कहता है कि व्यक्ति को अपना आत्मज्ञान होना चाहिए कि उसके अंदर किस चीज की प्रधानता है अगर वह बुद्धिप्रधान है तो उसे

Copyright – Drishti The Vision Foundation

इस स्थान में प्रश्न
के अतिरिक्त कुछ
ं।

do not write
ng except the
n number in
ace)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान मे कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this sp

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य के लिये स्थान
(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

राजनीतिक विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध
टेस्ट-1

DTVF / OPT-24 **PSIR-2401**

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time Allowed: Three Hours*	अधिकतम अंक : 250 *Maximum Marks : 250*

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 **अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के **उत्तर** दीजिये।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशत: दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation